

होली

लगभग 300 वर्षों से चली आ रही परंपरा, वैदिक मंत्रोच्चार के साथ शुभ मुहूर्त में होगा दहन

ग्रहण के चलते रात्रि 3 बजे जलेगी ऐतिहासिक होलिका



नवभारत, जबलपुर। जबलपुर के सदर स्थित श्री काली माई मंदिर के सामने शहर की सबसे प्राचीन होलिका का दहन इस बार 2 मार्च की रात्रि 3 बजे शुभ मुहूर्त में किया जाएगा। मुख्य पुजारी ने बताया कि इस बार ग्रहण होने के कारण 2 मार्च की रात्रि भद्रा उपरांत 3 बजे होलिका का दहन होगा। उन्होंने बताया कि लगभग 300 वर्षों से चली आ रही इस परंपरा में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ वैदिक रीति से घी और कपूर से होलिका दहन किया जाता है। आयोजन में हजारों श्रद्धालु शामिल होते हैं, जिससे पारिवारिक और सांस्कृतिक वातावरण बनता है।

जब से मंदिर, तभी से होलिका दहन

अध्यक्ष दीपक रजक ने बताया कि

मंदिर की स्थापना के समय से ही यहां होलिका दहन की परंपरा प्रारंभ हुई थी। पूर्वजों द्वारा शुरू की गई यह प्रथा आज भी उसी श्रद्धा और विधि-विधान से निभाई जा रही है। शहर में सबसे पहले यहीं शुभ मुहूर्त में होलिका दहन होता है, उसके बाद अन्य स्थानों पर दहन किया जाता है।

बसंत पंचमी से तैयारी, 70 विवंटल लकड़ी

श्री काली मंदिर सार्वजनिक होलिका उत्सव परिवार समिति द्वारा बसंत पंचमी से तैयारियां शुरू कर दी जाती हैं। बसंत पंचमी को पूजन अर्चन कर पेड़ लगाया जाता है, जिसके बाद विधि-विधान से लकड़ी का पूजन भी किया जाता है। होलिका दहन में करीब 70

किवंटल लकड़ी से होलिका सजाई जाती है। विशेष बात यह है कि यहां किसी प्रकार की प्रतिमा स्थापित नहीं की जाती, केवल लकड़ी की होली जलाई जाती है। यहां की लकड़ियां अनुमति लेकर ही मंगाई जाती हैं, वहीं कई श्रद्धालु दान भी देते हैं।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम

उपाध्यक्ष हर्ष वर्मा ने बताया कि इस वर्ष 1 मार्च को रात्रि 9 बजे बच्चों की डांस प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। 2 मार्च को आर्केस्ट्रा द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम और फूलों व गुलाब की होली खेली जाएगी। आयोजन को पिछले कुछ वर्षों से सांस्कृतिक स्वरूप भी दिया गया है, जिससे बड़ी संख्या में लोग सहभागिता करते हैं।

शीतलाष्टमी को भी जलेगी होली

यहां की होलिका दहन का आयोजन सिर्फ दहन तक ही सीमित नहीं है यह आयोजन आठ दिन बाद शीतलाष्टमी तक चलता है। जिसमें शीतलाष्टमी को कंडे की होली जलाई जाएगी, इस होली में दहन वाले दिन बची हुई लड़की को दहन किया जाएगा, जिसके बाद शांति पाठ भी होगा।

चौथी पीढ़ी निभा रही परंपरा

होलिका दहन का पूजन अर्चन मुख्य पुजारी पंडित चंद्रशेखर महाराज द्वारा किया जाएगा, जो मंदिर की चौथी पीढ़ी हैं। उनसे पूर्व पंडित लक्ष्मी नारायण मिश्रा, हरदत्त मिश्रा और श्रीनाथ मिश्रा यह दायित्व निभाते रहे हैं। मुख्य पुजारी पंडित चंद्रशेखर महाराज ने बताया कि हमारे पूर्वजों से चली आ रही इस परंपरा को वैदिक मंत्रोच्चार और विधि-विधान से निभाया जा रहा है। श्रद्धालुओं की आस्था ही इस आयोजन की सबसे बड़ी शक्ति है।

इनका कहना है

करीब 3 शताब्दी से यह परंपरा चली आ रही है। इस बार भी भद्रा उपरांत रात्रि 3 बजे शुभ मुहूर्त में होलिका दहन होगा। हमारा प्रयास है कि आयोजन सांस्कृतिक और पारिवारिक वातावरण में संपन्न हो।

उमेश श्रीवास्तव, संरक्षक मंडल

हम 15 दिन पहले से तैयारियां शुरू कर देते हैं। बच्चों की प्रतियोगिताएं और सांस्कृतिक कार्यक्रमों से नई पीढ़ी को भी परंपरा से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

महेश कटारे, संरक्षक मंडल

आयोजन को लेकर सभी युवा समिति के वरिष्ठ जनों के मार्गदर्शन में तैयारियां शुरू कर देते हैं। पुरानी परंपरा को ध्यान में रखते हुए सभी विधि पूरी की जाती हैं।

आकाश नायडू, सचिव



जिला पंचायत की सामान्य प्रशासन समिति की बैठक आज

नवभारत, जबलपुर। जिला पंचायत जबलपुर की सामान्य प्रशासन समिति की बैठक आज दोपहर 2 बजे जिला पंचायत कार्यालय के सभाकक्ष में होगी। जिला पंचायत अध्यक्ष आशा मुकेश गोंटिया की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में सहकारिता एवं उद्योग विभाग के कार्यों की, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग एवं जल निगम के हैंडपंपों का सर्वेअ से संबंधित कार्यों की तथा बगई बांध की दाई और बाई तट नहर की स्थिति की समीक्षा की जायेगी।



उत्कृष्ट कार्य करने वाली मातृशक्तियों का सम्मान

नवभारत, जबलपुर। संस्कारधानी के प्रसिद्ध भक्ति धाम गौरीघाट में गाठ दिवस के अवसर पर श्री सरस्वती म्यूजिकल ग्रुप द्वारा देवी जागरण एवं मातृशक्ति सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। भक्तिमय वातावरण में सुमधुर भजनों ने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। समारोह में समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मान पत्र भेंट किए गए। विशेष रूप से समाजसेवी एड. यामिनी शुक्ला, रीना पाल, एड. पूजा रजक, प्रीति त्रिपाठी और ऋतु चौबे को उनकी उल्लेखनीय सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर ज्योति दुबे, समारोह का आयोजन किया गया। भक्तिमय वातावरण में सुमधुर भजनों ने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। समारोह में समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मान पत्र भेंट किए गए। विशेष रूप से समाजसेवी एड. यामिनी

हरि नाम संकीर्तन से वातावरण होता है भक्तिमय

श्री चैतन्य महाप्रभु जयंती महोत्सव में प्रभात फेरी हरिनाम संकीर्तन यात्रा

नवभारत, जबलपुर। नाम जप और भगवान के संकीर्तन से सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है, जो जीवन में नूतन सृजन का मार्ग प्रशस्त करती है। इसी भावना के साथ श्री चैतन्य महाप्रभु जयंती महोत्सव पर सुबह 6 बजे सटिया कुआं फूटताल से भव्य प्रभात फेरी हरिनाम संकीर्तन यात्रा निकाली गई।

यात्रा में श्रद्धालु ‘राम राम रामा जय सीतारामा’, ‘राधे-राधे गोविंद’, ‘आज ब्रज में होरी रे रसिया’ जैसे भजनों पर ढोलक, मंजीर और झांझ की मधुर ध्वनि के साथ नाचते-गाते आगे बढ़े। छत्तों



अकीदत व एहताराम के साथ 14वें उर्स का आयोजन

आठवां रोजा 26 फरवरी जुमेरात रोजा अप्तार, 6 :18 बजे सहरी कल सुबह, 5 :06 बजे

नवभारत, जबलपुर। रमजान शरीफ के सातवें रोजे के अवसर पर आगा चौक स्थित हजरत आगा मोहम्मद साहब की दरगाह में हजरत मिर्जा इख्तियार हुसैन कादरी रहमतुल्लाह अलैह के 14वें उर्स का आयोजन अकीदत व एहताराम के साथ किया गया।

रांझी नगर निगम जोन में शिविर का आयोजन

नवभारत, जबलपुर। रांझी नगर निगम जोन 10 में शिविर का आयोजन किया गया जिस दौरान संभागीय अधिकारी नरेश शर्मा द्वारा आमजन की समस्याओं को सुना गया और उनका निराकरण किया गया। शिविर में 1 लाख 77000 रुपये वसूल हुए और फिर इसके बाद संभागीय अधिकारी ने आशीर्वाद बारात घर का निरीक्षण भी किया।

ये रहे उपस्थित

इस आयोजन में संतोष अग्रहरि, सत्य प्रकाश सराफ, डॉ. सुधीर स्वामी, अरुण महाजन, रचित सोनी, राकेश सोनी, राजू यादव, पवन साहू, श्याम गुप्ता, नवदीप पटवा, अमर सिंह ठाकुर, विध्वेश भापकर, सुधांशु परेता, सुरेन्द्र पांडे, ब्रजेश अग्रहरि, अनमोल यादव, रंजीत राय, अनिल आचार्य, अनिल रैकवार, मनोज सेन चैतन्य महाप्रभु संकीर्तन मंडल मिलौनीगंज एवं श्रीराधा राम संकीर्तन मंडल सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही।

और अटारियों से महिलाओं ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया तथा आरती उतारकर लड्डू गोपाल एवं श्री चैतन्य महाप्रभु की पूजा-अर्चना की। संकीर्तन यात्रा विवेक कला मंदिर, व्योहार बाड़ा, फूटताल मैदान, राम मंदिर खटीकमोहल्ला, नरघेया, कमनिया गेट, सराफा

वीयू का 48वां वार्षिक अधिवेशन एवं राष्ट्रीय संगोष्ठी आज से

► देशभर के 500 विशेषज्ञ करेंगे मंथन, 449 शोध सारांश व 8 मुख्य शोध पत्र होंगे प्रस्तुत

नवभारत, जबलपुर। नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर और इंडियन सोसाइटी फॉर वेटेनरी सर्जरी के संयुक्त तत्वावधान में 48वां वार्षिक अधिवेशन एवं राष्ट्रीय संगोष्ठी 26 से 28 फरवरी 2026 तक पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, जबलपुर में आयोजित होगी। बुधवार को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कुलगुरु एवं आयोजन अध्यक्ष प्रो. मनदीप शर्मा तथा अधिष्ठाता/आयोजन सचिव डॉ. अपरा शाही ने जानकारी दी। सम्मेलन का विषय



पशु शल्य चिकित्सा एवं इमेजिंग में एकोकृत शिक्षित: स्कैलेपे से स्क्रीन तक है। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पशुपालन एवं डेयरी मंत्री लखन पटेल तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में वेटेनरी काउंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष डॉ. उमेश चंद्र शर्मा उपस्थित रहेंगे। सम्मेलन में देशभर से लगभग 500 वैज्ञानिक, शिक्षाविद एवं शोधार्थी भाग लेंगे। तीन दिवसीय आयोजन में 449 शोध सारांश और 8 मुख्य शोध पत्र प्रस्तुत किए जाएंगे। 11

तकनीकी सत्रों में एनेस्थीसिया, एवियन सर्जरी, ऑर्थोपेडिक, रेडियोलॉजी, वन्यजीव एवं लघु पशु शल्य चिकित्सा जैसे विषयों पर चर्चा होगी। प्रेस वार्ता में डीन डॉ. आर.के. शर्मा, स्कूल ऑफ वाइल्ड फोरेंसिक हेल्थ की निदेशक डॉ. शोभा जावरे, एआर डॉ. रामकिंकर मिश्रा, मीडिया वैज्ञानिक, शिक्षाविद एवं शोधार्थी भाग लेंगे। तीन दिवसीय आयोजन में 449 शोध सारांश और 8 मुख्य शोध पत्र प्रस्तुत किए जाएंगे। 11



बालिकाओं के लिए आत्मरक्षा कार्यशाला आयोजित
नवभारत, जबलपुर। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग में महिला सशक्तिकरण के उद्देश्य से बालिकाओं के लिए पीएम उषा परियोजना अंतर्गत पांच दिवसीय आत्मरक्षा कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। मुख्य अतिथि कुलगुरु प्रो. राजेश कुमार वर्मा और विशिष्ट अतिथि विभागाध्यक्ष प्रो. अलका नायक एवं प्रो. विशाल बनने ने कार्यक्रम की शुरुआत की। विश्वविद्यालय के सहयोग से रांझी महिला महाविद्यालय और महिला महाविद्यालय महुआ खेड़ा, पाटन में भी समान कार्यशाला आयोजित की गई। तीनों स्थानों पर प्रत्येक में 40-40 बालिकाएं उपस्थित थीं। कार्यक्रम में सीआरआईएसपी की ओर से डॉ. अविनाश जैन और आत्मरक्षा विशेषज्ञ विकास थापा ने प्रशिक्षण दिया। कार्यशाला का उद्देश्य बालिकाओं को आत्मरक्षा के माध्यम से सशक्त बनाना है।



तोप गाड़ी निर्माणी ने वितरित किए पोषण किट

नवभारत, जबलपुर। सेठ गोविंद जिला चिकित्सालय प्रांगण में आज तोप गाड़ी निर्माणी जबलपुर और गैर सरकारी संस्था विजन जबलपुर के सहयोग से क्षय रोगियों और एनीमिया से पीड़ित महिलाओं को पोषण आहार किट वितरित किए गए। मुख्य अतिथि मुख्य महाप्रबंधक जीसीएफ राजीव गुप्ता की उपस्थिति में कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय मिश्रा ने की। उन्होंने तोप गाड़ी निर्माणी और विजन जबलपुर के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा कि स्वास्थ्य विभाग आगे भी इस तरह के जनहितकारी कार्यक्रमों में सहयोग करेगा। पिछले दिनों के प्रयासों में ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के 1000 से अधिक मरीजों को पोषण किट वितरित किया जा चुका है। कार्यक्रम के अंत में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर रिटायर्ड सहायक निदेशक और अध्यक्ष विजन जबलपुर राजेंद्र सिंह, जिला क्षय नियंत्रण अधिकारी डॉ. संतोष सिंह ठाकुर, जिला मीडिया अधिकारी अजय कुरील, सुनील शर्मा, सीमांत हिमाले, रविशंकर कोट्या, विकास श्रीवास्तव और समस्त टीबी स्टाफ उपस्थित था।

प्रशिक्षण

जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय में 21 दिवसीय राष्ट्रीय प्रशिक्षण का समापन

मानव संसाधन का ज्ञान अपडेट करना आज की जरूरत : डॉ. जग्गी

नवभारत, जबलपुर। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर के मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायनशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित 21 दिवसीय राष्ट्रीय प्रशिक्षण ‘सतत खेती में मिट्टी के स्वास्थ्य के प्रबंधन के लिए उभरती प्रौद्योगिकियां और नवाचार’ का भव्य समापन हुआ। कार्यक्रम में मुख्यातिथि डॉ. सीमा जग्गी, सहायक महानिदेशक, मानव संसाधन विकास, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली और अध्यक्ष कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा थे। डॉ. सीमा जग्गी ने अपने उद्घोषण में कहा कि वैज्ञानिकों और मानव संसाधन के ज्ञान को आधुनिक आवश्यकताओं के अनुसार अपडेट करना बेहद जरूरी है। उन्होंने मिट्टी की गुणवत्ता और पोषक तत्व बनाए रखने में किसानों के साथ मिलकर काम करने की आवश्यकता पर जोर



दिया। कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा ने कहा कि प्रशिक्षण में प्राप्त ज्ञान को सतत खेती, मिट्टी स्वास्थ्य, पोषक तत्व संतुलन, अनबैलेस्ड फर्टिलाइजर और पानी की कमी जैसी चुनौतियों के समाधान में किसानों तक पहुंचाना आवश्यक है। विशिष्ट अतिथि डॉ. जयंत भट्ट, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, जबलपुर ने कहा कि प्रशिक्षण में देशभर से आए वैज्ञानिकों को नेचुरल खेती और मिट्टी की उपजाऊ क्षमता बनाए रखने के उपायों की महत्वपूर्ण

शिखा और आभार प्रदर्शन प्रशिक्षण समन्वयक डॉ. बी.एस. द्विवेदी ने किया। कार्यक्रम में डॉ. जी.एस. टैगोर, डॉ. अमित उपाध्याय, डॉ. आर. के. साहू, डॉ. एफ.सी. अमूले, डॉ. अभिषेक शर्मा, डॉ. शैलू यादव, प्रिंसु, प्रशांत कुर्मी, मधुकर, संगीता ठाकुर, रविन्द्र कुमार, धर्मेन्द्र विजयवर्गीय, विकास पटेल, रचना यादव, राजकुमार काछी, तथा सभी प्रशिक्षार्थी आदि उपस्थित थे।

देशभर से आए 39 आवेदन, 24 प्रतिभागी शामिल

डॉ. बी. के. दीक्षित, डायरेक्टर, फेफ्ट एवं आचार्य व विभागाध्यक्ष ने स्वागत भाषण और 21 दिवसीय प्रशिक्षण का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। प्रशिक्षण में देशभर से 39 आवेदन आए, जिसमें से 24 प्रतिभागी शामिल हुए। प्रशिक्षण में 49 थ्योरी लेक्चर और 12 प्रैक्टिकल सत्र आयोजित किए गए। समापन अवसर पर सभी प्रशिक्षार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।